Date - 23 April 2022

अरुणाचल प्रदेश और असम विवाद

- हाल ही में अरुणाचल प्रदेश और असम की सरकारों ने सीमा विवादों को सुलझाने के लिए जिला स्तरीय समितियां गठित करने का निर्णय लिया है।
- ये जिला समितियां दोनों राज्यों के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, जातीयता और निकटता, लोगों की इच्छा और प्रशासनिक सुविधा के आधार पर लंबे समय से लंबित मुद्दे के ठोस समाधान खोजने के लिए विवादित क्षेत्रों में संयुक्त सर्वेक्षण करेंगी।

देश में सीमा विवाद:

असम-अरुणाचल प्रदेश:

- असम अरुणाचल प्रदेश के साथ 10 किमी की अंतर-राज्यीय सीमा साझा करता है। 1987 में बनाए गए अरुणाचल प्रदेश राज्य का दावा है कि पारंपरिक रूप से इसके निवासियों के स्वामित्व वाली कुछ भूमि असम को दे दी गई है।
- एक त्रिपक्षीय समिति ने सिफारिश की थी कि कुछ क्षेत्रों को असम से अरुणाचल में स्थानांतरित कर दिया जाए। इस मसले को लेकर दोनों राज्य कोर्ट की शरण में हैं।

असम-मिजोरम:

- अलग केंद्र शासित प्रदेश बनने से पहले मिजोरम असम का एक जिला हुआ करता था जो बाद में एक अलग राज्य बन गया।
- मिजोरम असम के कछार, हैलाकांडी और करीमगंज जिलों के साथ अपनी सीमा साझा करता है।
- समय बीतने के साथ-साथ सीमांकन को लेकर दोनों राज्यों की अलग-अलग धारणाएं बनने लगीं।
- मिजोरम चाहता है कि यह 1875 में अधिसूचित एक आंतरिक रेखा के साथ हो ताकि आदिवासियों को बाहरी प्रभाव से बचाया जा सके, जिसे मिज़ो अपनी ऐतिहासिक मातृभूमि का हिस्सा मानते हैं, असम का मानना है कि सीमा बाद में सीमा के भीतर बनाई गई थी।

Yojna IAS

असम-नागालैंड:

- साल 1963 में नागालैंड के गठन के बाद से ही दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद चल रहा है।
- दोनों राज्यों का दावा है कि मेरापानी, असम के गोलाघाट जिले के मैदानी इलाकों के बगल में एक छोटा सा गांव है।
- इस क्षेत्र में 1960 के दशक से हिंसक झड़पों की सूचना मिली है।

असम-मेघालय:

- मेघालय ने लगभग एक दर्जन क्षेत्रों की पहचान की है जिन पर राज्य की सीमाओं को लेकर असम के साथ उसका विवाद है।

हरियाणा-हिमाचल प्रदेश:

- दोनों के उत्तरी राज्यों का परवाणू क्षेत्र पर सीमा विवाद है, जो हरियाणा के पंचकुला जिले के पास स्थित है।
- हरियाणा ने भूमि के एक बड़े क्षेत्र पर दावा किया है और हिमाचल प्रदेश पर हरियाणा के कुछ पहाड़ी क्षेत्रों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है।

लद्दाख-हिमाचल प्रदेश:

- लद्दाख और हिमाचल दोनों केंद्र शासित प्रदेश सरचू क्षेत्र पर अपना दावा करते हैं, जो लेह-मनाली राजमार्ग पर यात्रा करने वालों के लिए एक प्रमुख पड़ाव बिंदु है।
- यह क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले और लद्दाख के लेह जिले के बीच स्थित है।

महाराष्ट्र-कर्नाटक:

- शायद देश में सबसे बड़ा सीमा विवाद बेलगाम जिले को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच है।
- बेलगाम में मराठी और कन्नड़ दोनों भाषी लोगों की बड़ी आबादी है और इस क्षेत्र में अतीत में दोनों राज्यों के बीच संघर्ष हुए हैं।
- अंग्रेजों के समय यह क्षेत्र बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा हुआ करता था, लेकिन वर्ष 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के बाद इसे कर्नाटक में शामिल कर लिया गया।

अंतरराज्यीय सीमा विवाद अनसुलझे क्यों हैं?

भाषाई आधार पर पुनर्गठन का विचार:

- यद्यपि राज्य पुनर्गठन आयोग, 1956 प्रशासनिक सुविधा पर आधारित था, पुनर्गठित राज्य काफी हद तक एक भाषा एक राज्य के विचार के समान थे।

भौगोलिक जटिलता:

Yojna IAS

- दूसरी जटिलता उस क्षेत्र की रही है, जहां नदियां, पहाड़ियां और जंगल दोनों राज्यों में कई जगहों पर फैले हुए हैं और सीमाओं को भौतिक रूप से चिह्नित नहीं किया जा सकता है।
- औपनिवेशिक मानचित्रों ने असम के बाहर पूर्वोत्तर के बड़े क्षेत्रों को "घने जंगल" के रूप में छोड़ दिया या "अनदेखे" के रूप में चिह्नित किया।

स्वदेशी समुदाय:

- अधिकांश भाग के लिए स्वदेशी समुदायों को अकेला छोड़ दिया गया था। प्रशासनिक सुविधा के लिए "जरूरत" होने पर ही सीमाएँ खींची गईं।
- वर्ष 1956 के सीमांकन से विसंगतियों का समाधान नहीं हुआ।
- जब असम (1963 में नागालैंड, 1972 में मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर और 1987 में अरुणाचल प्रदेश) से नए राज्य बनाए गए थे, तो इसे भी नजरअंदाज कर दिया गया था।

पृथ्वी दिवस

- पृथ्वी दिवस की 52वीं वर्षगांठ 22 अप्रैल, 2022 को मनाई गई। पृथ्वी दिवस पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्थन देने के लिए दुनिया भर में मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है।
- पृथ्वी दिवस, 2022 का विषय "हमारे ग्रह में निवेश करें" है।

पृष्ठभूमि:

- पहली बार वर्ष 1970 में पृथ्वी दिवस मनाया गया था। इसकी शुरुआत अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन के आह्वान के बाद हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 20 मिलियन लोग पर्यावरण क्षरण के विरोध में सड़कों पर उतर आए थे।
- यह 1969 के सांता बारबरा तेल रिसाव के साथ-साथ धुंध और प्रदूषित नदियों जैसे अन्य मुद्दों से प्रेरित था।
- वर्ष 2009 में, संयुक्त राष्ट्र ने 22 अप्रैल को 'अंतर्राष्ट्रीय धरती माता दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की।

पृथ्वी दिवस के बारे में:

- पृथ्वी दिवस का आयोजन विश्व स्तर पर ORG द्वारा किया जाता है, जो एक गैर-लाभकारी संगठन है। इसे पहले अर्थ डे नेटवर्क के नाम से जाना जाता था।
- इसका उद्देश्य "लोगों और पृथ्वी में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरण आंदोलन का निर्माण करना है।"

YojnaIAS

- यह मानवता की वर्तमान और भावी पीढ़ियों की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रकृति और पृथ्वी के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए 1992 के रियो घोषणा (पृथ्वी शिखर सम्मेलन) में बताए गए अनुसार सामूहिक जिम्मेदारी स्वीकार करता है। जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के लिए।
- गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वर्ष 2016 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा ऐतिहासिक पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर के लिए पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल, 2016) के दिन को इसके अंतरराष्ट्रीय महत्व के कारण चुना गया था।

अन्य महत्वपूर्ण दिन:

- **22** मार्च: विश्व जल दिवस
- **22** अप्रैल: पृथ्वी दिवस
- **22** मई: जैव विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस
- **5** जून: विश्व पर्यावरण दिवस
- अर्थ ओवरशूट दिवस

अर्थ ऑवर

- क्या प्रकृति के लिए विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की वार्षिक पहल है, जो वर्ष 2007 में शुरू हुई थी? यह हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को आयोजित किया जाता है।
- यह 180 से अधिक देशों के लोगों को उनके स्थानीय समय के अनुसार रात 30 बजे से रात 9.30 बजे तक लाइट बंद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए इस प्रतीकात्मक आह्वान का उद्देश्य ऊर्जा बचाने के लिए गैर-आवश्यक प्रकाश व्यवस्था के उपयोग को कम करना है।

Swadeep Kumar

Yojna IAS